

## क्या नए वैज्ञानिक सबूत जीवन की उत्पत्ति के बारे में डारविन के उत्पत्ति के सिद्धान्त का अंत करते हैं? प्रोग्राम -2

**अनाऊंसर:** आज जीवन के बारे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल है, हम कहाँ से आए हैं? हम यहाँ कैसे पहुंचे? इस कारण हम अस्तित्व में आए? चार्लस डारविन ने अपनी ओरिजन ऑफ़ स्पीशीज में, माना है कि वो नहीं जानते कि पहला सेल किस तरह अस्तित्व में आया, अनुमान लगाया कि किसी तरह से कुछ साधारण सेल एक साथ आए, और पहला प्रिमेतिव सेल बना, शुरू की पृथ्वी के पानी से बना।

लेकिन आज डारविन के उत्पत्ति के सिद्धान्त को चुनौती मिलती है, मॉलिक्यूल बायोलॉजिस्ट द्वारा, जैसे वैज्ञानिकों ने खोज निकाला कि मनुष्य के सेल सरल नहीं हैं, लेकिन विश्वास के परे बेचिदा हैं।

एल छोटी सी सेल माईक्रो मीनी राईज़ फैट्री है, जिसमें हजारों खासकर बनाए गए पीसेस हैं, जो खास मोलीक्यूलर मशीनरी के हैं, जो एक लाख मिलियन एटम से बने हैं।

हर सेल के न्यूक्लियस में डी एन ए मॉलिक्यूल है, जो कि तीन बिलियन खास जानकारी से भरा है, जो डिजिटल कोड में हैं, ये कोड सेल को बताता है कि कैसे कामप्लेक्स सेल मॉलिक्यूल बनाए, जिसे प्रोटीन कहते हैं, कि सेल के काम जीवित रह सके।

डी एन ए की से सटीक जानकारी कहाँ से आती है? क्या ये बिना निर्देश के स्वाभाविक शक्ति के कारण है? या ये बुद्धिमान निर्माता के कारण बना है?

माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स ने कहा है, मनुष्य का डी एन ए एक कंप्यूटर प्रोग्राम जैसे है, हमने जो भी बनाया है उससे बहुत बहुत आधुनिक है।

आज आप सीखेंगे कि क्यों मनुष्य के सेल से बनाया गया डी एन ए का डिजिटल कोड, ये बुद्धिमान निर्माता का साबित करनेवाला सबूत है।

मेरे मेहमान हैं डॉ. स्टीवन मायर, जो संसार के बुद्धिमान निर्माता के सह-संस्थापक हैं, इन्होंने विज्ञान में पी एच डी पाए हैं, कैबरिज यूनिवर्सिटी से, हम आपको जुड़ने का न्योता देते हैं।

\*\*\*\*

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** प्रोग्राम में स्वागत है, हम चर्चा कर रहे हैं कि जीवन कब शुरू हुआ और कहाँ शुरू हुआ, और जीवन कैसे शुरू हुआ? और इस सवाल का जवाब देते हुए आपको देखना होगा कि पहली सेल कहाँ से आई थी, मेरे मेहमान हैं फिलोसोफर इन साइन्स डॉ. स्टीवन मायर, जिन्होंने ये बेस्ट सेलिंग बुक लिखी है, दसिग्रेचर इन द सेल, डी एन ए एंड एविडेंस फॉर इंटेलीजेंट डिजाइन, और हालही के दिनों में, सेल के डी एन ए की खोज,

इससे बहुत ही बेचिदा चित्र बनाता है, इतना उलझा हुआ कि आप यही सोच सकते हैं कि केवल आ सकता है, याने बुद्धिमत्ता के डिज़ाइनर से आता है, इसके बारे में बताइए और बताइए कि डी एन ए में क्या पाया/

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** खैर जैसे हमने पिछले प्रोग्राम में कहा, डी एन ए याने ये डिजिटल जानकारी का कोड है, ये डिजिटल नेनो टेक्नोलॉजी का भाग है, और डी एन की जानकारी प्रोटीन और प्रोटीन मशीन बनाने के निर्देश देती है, जो सेल के जीवित रहने के लिए जरूरी है, और मैं सोचता हूँ कि हमने डिजाईन के बारे में प्राचीन सवाल का जवाब दिया है, क्योंकि 19 वीं सदी में डार्विन का सिद्धान्त ने सोचा कि उन्होंने डिजाईन के सारे सबूतों को बता दिया है/ और अब हमारे पास डिजाईन का अद्भुत प्रकटीकरण है, जिसमें अब तक कोई नैचरलिस्टिक विवरण नहीं है/

मैं सोचता हूँ कि ये सकारात्मक कारण होगा कि इस तरह सोचे कि ये बुद्धिमत्ता से बनाया गया है/लेकिन ये दिलचस्प है कि हमें इस समय ये मानना होगा, कि ये बड़ा भेद है, मैं इसे डी एन ए इनिग्मा कहता हूँ, रिचर्ड डॉकीन्स इस बात से इनकार करते हैं कि डिजाईनर के सबूत हैं, हमें ये मानना होगा कि ये डिजिटल कोड से भरा हुआ है, ये कहता है कि जींस का मशीन कोड, ये तो कंप्यूटर जैसे हैं, बिल गेट्स कहते हैं, कि डी एन ए सॉफ्टवेयर प्रोग्राम जैसे है, लेकिन अब तक हमने जो भी बनाया है ये उससे बहुत उलझा हुआ है, याने हम सेल में देख रहे हैं, ये जानकारी है और ये बड़े भेद को प्रकट करता है, याने यदि पहले सेल की शुरुवात बताना है, जीवन की शुरुवात तो ये जानकारी की शुरुवात से आना होगा/

और एक जर्मन साइंटिस्ट हैं, नाम हैं बर्नर्ट ओल्फ कूपर, जिन्होंने इस संबंध के बारे में पहले बताया, उन्होंने कहा कि जीवन की शुरुवात का ये सवाल है कि बायोलॉजिकल जानकारी कहाँ से आई है, इसका अर्थ होता है क्योंकि, मैं अपने विद्यार्थियों से सवाल पूछता था, यदि अपने कंप्यूटर को नया फंक्शन देना है तो कैसे देंगे? उन्हें पता है कि ये कोड है, ये जानकारी का सॉफ्टवेयर है, और जीवन में भी यही बात सही है, एक संबंध है, जानकारी और नए रूप और काम में, और यदि जीवित काम करनेवाला ओर्गानिस्म चाहिए तो ये जानकारी होनी चाहिए, ये डी एन ए इनिग्मा है, ये बड़ा रहस्य है जिसे हल करना चाहिए/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** ? और ये बहुतसी जानकारी है, ये केवल कुछ बातें नहीं, ये बहुतसी बातें हैं, बहुत से अलग भागों में, ये सब एक साथ काम करने के लिए प्रोग्राम किए हैं, ये बहुत उलझा हुआ है/

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** ये तो कोड्स की कई लाइन्स हैं, मतलब मनुष्य के जिन में 3 बिलियन करैक्टरस हैं, जानवरों में ये कम हैं लेकिन अद्भुत जानकारी हर जीवित ओर्गानिस्म में हैं/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** अब दोस्तों, हमारे शरीर में अरबों सेल्स हैं, ठीक है, उनमें से हर एक में डी एन ए है, और डी एन ए उस सेल में खास काम करता है, ये अद्भुत है, मैं चाहता हूँ कि आप लोगों को सरल शब्दों में बताइए/

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** जी, डी एन ए दो कारणों के लिए खास है, एक तो उसका डबल हिलिक्स स्ट्रक्चर है, अब डबल हिलिक्स तो आइकॉन बन गया है, जो न्यूज़ में भी हम खोज के बारे में देख सकते हैं, बात तो ये है कि लोग डी एन ए के बारे में खास तरह से देखते हैं, कि ये जानकारी से भरा है, सच में जानकारी डिजिटल रूप में रखी गई है, याने ये सॉफ्टवेयर प्रोग्राम जैसे ही है, इस में केमिकल की खास अरेन्जमेन्टस हैं, डी एन ए के स्पेइन में जैसे भाषा में अक्षर होते हैं, या मशीन में डिजिटल रूप में एक और शून्य होते हैं, याने ये जानकारी लेकर चलने की श्रमता है या जनाकारी रखने की श्रमता जो महत्वपूर्ण है/

अब डी एन ए की जानकारी प्रोटीन और प्रोटीन मशीन के बनाने को निर्देश देती है, पिछले प्रोग्राम में हमने इसे देखा है, हमने तुलना की थी कि बोर्डिंग प्लांट में क्या होता है, सियाटल में, जहाँ मैं रहता हूँ, और वहाँ इंजीनियर

डिजिटल जानकारी का उपयोग करते हैं कि मैकेनिकल पार्ट्स को बनाए, उदाहरण के लिए जहाज का पंख, या रिबिट्स लगाते हैं, ये सब मशीनरी द्वारा नियन्त्रण करते हैं, जी डिजिटल जानकारी से चलती है, ये जानकारी आगे बढ़ती है, सेल के भीतर यही होता है, डिजिटल कोड मैकेनिकलपार्ट्स पर नियन्त्रण करता है, और ये बड़ा सवाल खड़ा करता है, किसेल में ये साड़ी जानकारी कहाँ से आती है? हम जानते हैं कि बोर्डिंग के लिए कहाँ से आती, जिसे इंजीनियर ने बनाया है, लेकिन सेल के भीतर ये कहाँ से आता है?

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** हमें बताइए कि ये जानकारी कैसी है, ये उलझी हुई ही नहीं लेकिन सटीक जानकारी भी है/

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** चलिए यहाँ मैं साइन्स का छोटा लेसन बताता हूँ, जानकारी की दो परिभाषा हैं जो इंजीनियर और वैज्ञानिक लोग जानते हैं, इंजीनियरिंग दुनिया में शैनन जानकारी कहते हैं, या ये गणित का सूत्र है जो बताता है, कि इस जानकारी के सूत्र में कितनी जानकारी रखी जा सकती है, इसे कईबार जानकारी ले जाने की श्रमता भी कहते हैं, और जानकारी की गणित की परिभाषा में केवल थोड़ा भाग है जिसे हम जानकारी मानते हैं, ये केवल चरित्र के बारे में उलझा होने के बारे में बताते हैं, और चरित्र के अरेन्जमेन्ट जितनी उलझी होगी, उतनी जानकारी दी जाएगी/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** जी, अक्षरों में गिब्रिश होते हैं, याने बहुत से अक्षर हैं, जो कुछ नहीं करते हैं/

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** उदाहरण के लिए इस स्लाइड में उपर में,, U, I, N, S, K ये जिब्रिश है, ये जानकारी लेकर चलनेवाले स्रोत हैं, ये जानकारी देने के लिए अरेन्ज किए जा सकते हैं, लेकिन हम नहीं जानते हैं कि ये काम करते हैं या नहीं करते, हमें पता नहीं कि क्या ये जानकारी दे रहे हैं, लेकिन फिर भी हम अनुमान लगा सकते हैं कि ये क्रम कितना असंभव हो सकता है, जानकारी के लिए गणित की थैयरी यही करती है, ये जानकारी उठाने की श्रमता बताती है, लेकिन नहीं बताती है कि जानकारी काम करती है या काम करने लायक सही तरह से क्रम में है या नहीं/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** और डी एन ए में दूसरा है/

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** इस में दूसरे तरह की जानकारी है, अब यहाँ मैं इंग्लिश वाक्य उपयोग करता हूँ, Tide and time wait for no man, ये स्पष्ट बताने वाले कैरेक्टर हैं, जो अर्थपूर्ण जानकारी बता रहे हैं, ठीक है?

अब इसके साथ कुछ बातें कहती हैं कि उपर की बातें बेचिदा हो सकती हैं, लेकिन ये नहीं कहता कि उलझे हुए होने में सटीकता है, गणित की बात है कि उलझा हुआ और सटीक नहीं, उस में यही विचार है, याने जितना उलझा होगा उतना बेचिदा होगा, लेकिन डी एन ए उलझा हुआ ही नहीं है, ये कैरेक्टर को अनिश्रित रूप में रखा नहीं गया, ये सटीक है और उलझा हुआ है/ जैसे किसी भाषा में या कंप्यूटर कोड होते हैं, सटीक और उलझे होते हैं/

तो जब हम डी एन ए इनिग्मा के बारे में कहते हैं, तो पहला सेल बनाने के लिए जानकारी की शुरुवात के बारे में जो भेद है, तो हम गणित के रूप में अनिश्रिता के बारे में नहीं कह रहे हैं, जैसे इस स्लाइड में पहली लाइन है, लेकिन हम सटीक जानकारी के बारे में कह रहे हैं, यहाँ कैरेक्टर की अरेन्जमेंट मायने रखती है कि यहाँ ये कैरेक्टर जो बताते हैं उसका विवरण दे/यही तो डी एन ए में होता है, जब फ्रान्सिस क्रिक ने ये मुद्दा बहुत शुरू में कहा था, जब कि वो जानकारी के बारे में गणित की थैयरी के बारे में जानते थे, तो कहा कि हम डी एन ए की जानकारी के बारे में कह रहे हैं, हम गणित की जानकारी के बारे में नहीं कह रहे हैं, केवल इंजीनियर्स की शैनन जानकारी नहीं, लेकिन हम कह रहे हैं, सटीक जानकारी या काम करनेवाली जानकारी, यहाँ ये कहते हैं कि

जानकारी का अर्थ है, सिक्वेन्स की सटीक जानकारी/ चाहे वो डी एन ए की बुनियाद की हो, या प्रोटीन्स में अमीनो एसिड की हो, इन महत्वपूर्ण मॉलिक्यूल के सब यूनिट सही तरह से क्रम में हो कि सेल के भीतर अपने काम को कर सके/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** ठीक है, स्टीवन, दर्शक शायद ये सवाल पूछ रहे होंगे, यदि ये सटीक से रखे गए हैं तो क्या? इसमें क्रम हैं तो क्या? यदि ये नहीं होता तो इसका क्या अर्थ होता? हम तो मर जाते, हैं ना?

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** बिलकुल सही, क्योंकि डी एन ए मॉलिक्यूल के अंदर की जानकारी निर्देश देती है, नए प्रोटीन्स बनाने के लिए, और प्रोटीन्स सेल्स का टूल बॉक्स है, वो सेल को जीवित रखने के लिए सारे काम करते हैं, याने यदि डी एन ए में क्रम सही तरह से न हो, तो काम करनेवाला प्रोटीन नहीं बना सकते, पिछली बार हमने विज्युअल देखा था, इसे फिर से देखते हैं, इससे समझ सकते हैं, ये बच्चों के खिलोने हैं, लेकिन उदाहरण के लिए उपयोग करता हूँ, कि प्रोटीन्स कैसे बनते हैं, प्रोटीन लंबी चेन जैसा मॉलिक्यूल है, वो छोटे सब यूनिट से बना है जिसे अमीनो एसिड्स कहते हैं, ये हर एक बिट बताते हैं, 20 अलग तरह के अमीनो एसिड को, यदि डी एन ए सिगनल भेजे, जानकारी भेजे जो सेल को बताए, कि किस क्रम में एक के बाद एक अमीनो एसिड लगाते जाए, यदि अमीनो एसिड सही तरह से जुड़े हैं, तो ये चेन थ्री डायमेंशनल स्ट्रक्चर बनेगी, जो सेल के दूसरे मॉलिक्यूल के साथ अच्छे से फिट होगी, और चेन को जो काम करना चाहिए वो करने देगी, याने डी एन ए के आधार पर सिक्वेन्स सही होना चाहिए, और अमीनो एसिड का सही क्रम होगा, और ये सही तरह से बनेगा और अपना काम करेगा/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** ठीक है, आपने इन सब की खोज की है, जिससे ये सवाल उठता है कि ये साडी जानकारी कहाँ से आई है? ये सबसे पहले कैसे आई, क्योंकि हम देखते हैं कि जानकारी तो बहुत बड़ी है और उलझी हुई है/ याने सामान्य प्रोटीन में 150 अमीनो एसिड हो सकते हैं/

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** छोटे प्रोटीन में/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** और बड़े प्रोटीन में 1000 या उससे भी ज्यादा हो/ और ये सब सही क्रम में होने चाहिए, तो यहाँ कौनसी थियरी बताइ जाती हैं, कि इस सवाल का जवाब दे कि ये कैसे शुरू हुआ?

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** इस सवाल ने मुझे आकर्षित किया, क्योंकि मैं डी एन ए इनिग्मा से प्रभावित हुआ था, एनिग्मा ये नहीं कि डी एन ए क्या करता है, हम ये जानते हैं, लेकिन सवाल है कि डी एन ए की जानकारी कहाँ रखी होती है, वो जानकारी सबसे पहले कहाँ से आती है, इसके लिए बहुत से नैचरलिस्टिक और मटेरियलिस्टिक थियरी बताई जाती हैं, और इसे अच्छी तरह से बताया गया है, फ्रेन्च साइंटिस्ट ने, उनका नाम है जॉक मोनोद, इन्होंने 1968 में किताब लिखी ये क्रिक के साथी थे जिन्होंने डी एन ए की खोज की है, और मोनोद ने कहा कि यदि आपको वैज्ञानिक होना है, तो मैं आपको बताऊँ, आपको विवरण देने के लिए बुनियादी बातों की कोशिश करनी होगी, एक तो मौके पर आधारित रहना, ये किसी तरह के रैंडम वेरिएशन हैं, दूसरी बात कही कि निश्चित होने पर आधारित रहे, इसके लिए साइंटिफिक कोड वर्ड है, स्वाभाविक नियम पर आधारित रहना/ यदि मैं बॉल छोड़ू तो वो निचे गिरेगा, तो वैज्ञानिक कहते हैं कि जरूरी है इसलिए ये गिरता है, गुरुत्वाकर्षण के कारण, और मोनोद ने कहा कि तीसरा भी है जो एक साथ जोड़ता है कैसे जरूरत की क्रिया का नियम, डार्विन ने इसे किया, नैचरल सिलेक्शन और रैंडम वेरिएशन और ये भी स्वीकार किया जानेवाला साइंटिफिक तरीका है/ यहाँ जीवन के शुरूवात के सवाल का जवाब देते हुए, नैचरलिस्टिक या मटेरियलिस्टिक दृष्टिकोण से, तो हमें जीवन की शुरूवात के बारे कहना होगा कि अवसर या जरूरत या इन दोनों के मिलाने से है/

जैसे मैंने डी एन ए इनिग्मा की खोज की है, मैंने इस क्रम का उपयोग किया और कहा ठीक है, जानकारी की शुरुवात की ये बातें कहाँ से आई, क्या वो इस महान भेद के लिए सफल रहे, यानेहमजो समझते उससे भी ये भेद गहरा है, और मैं इसी निश्कर्ष पर आया/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** जी, आप दर्शकों में से कितने लोगों ने सुना कि जीवन ऐसे ही अकस्मात आ गया, या अवसर और नैचरल सिलेक्शन से, ठीक है? यदि आपने इसे सुना है और अभी भी ये मानते हैं, अब हम ब्रेक लेंगे और वापस आने पर उसे देखेंगे, और आपको दिखाएंगे कि ऐसे अकस्मात होने के कितने अवसर हैं? ठीक है, तो बने रहिए, हम लौट आएँगे/

\*\*\*\*

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** ठीक है, हम लौट आए हैं और चर्चा कर रहे हैं डॉ. स्टीवन मायर से, जो फिलोसोफर ऑफ़ साइंस हैं, और बेस्ट सेलिंग बुक लिखी है, वो ये है सिग्रेचर इन द सेल, डी एन ए एण्ड एविडेंस ऑफ़ इंटेलीजेंट डिजाइन, और हम सवाल का जवाब दे रहे हैं कि जीवन कैसे शुरू हुआ, पहली सेल कहाँ से आई, और मैं कह रहा था कि कौनसी नैचरलिस्टिक थियरी बताई जाती है, कि इस सवाल का जवाब दे, डी एन ए मॉलिक्यूल की ये सटीक जानकारी कहाँ से आती है, वो वहाँ कैसे पहुंची, और कोई कहता है कि ये अकस्मात हुआ, आप एक कोड कह रहे थे कि बताए कि लोग कहाँ पर हैं/

**डॉक्टर स्टीफन मायर::** ये विख्यात बायो-केमिस्ट्री टेक्स्ट बुक से है, जो 70 में लिखी गई थी, ये बताता है कि बहुत से लोगों के मन में क्या है, इसके लेखक अल्बर्टलेननजर ने कहा, हमक्रांति के मुश्किल भाग में आए हैं, जो जीवन को पहली बार दिखाना है, जो मायक्रो मॉलिक्यूलर कम्पोनेंट्स द्वारा एक साथ आने से बने हैं/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** इसका क्या अर्थ है?

**डॉक्टर स्टीफन मायर::** जी, सरल भाषा में यही अर्थ है कि डी एन ए मॉलिक्यूल केसारे भाग, जिसे हम पिछले सेगमेंट से देख रहे हैं, और प्रोटीन के पार्ट्स, खुद को अकस्मात क्रम में लाते हैं, ऐसे सिक्वेन्स जो उस मॉलिक्यूल को सेल में काम करने के लिए जरूरी है, मैं सोचता हूँ कि ये पूरी तरह गलत है, जिसे बहुत से वैज्ञानिक मानते हैं, ये सवाल को हल नहीं करता, मैंने किताब में दोष लगाया कि इस बात को गंभीरता से लिया है, बहुत से वैज्ञानिक अब विश्वास करते हैं, कि ये पूरी तरह से पर्याप्त नहीं हैं, कि इस तरह से पहला जीवन बनाए/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** ठीक है, अब इस पर चर्चा करते हैं, ये किस तरह ऐसे अकस्मात नहीं हो सकता है?

**डॉक्टर स्टीफन मायर::** खैर कभी नहीं कह सकते हैं कि निश्चित नहीं है, निश्चित रूप में नहीं हो सकता है, लेकिन हम इस तरह कह सकते हैं कि ये नहीं होने की संभवना ज्यादा है, कि जीवन ऐसे अकस्मात नहीं आया/इतना पर्याप्त नहीं कि लोग इसे अनदेखा करें, किये सही हायपोथेसेस नहीं है, ठीक है?

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** मैं सोचता हूँ कि लोग ये सुनकर कहेंगे जी,,,

**डॉक्टर स्टीफन मायर::** जी, चलिए मैं उदाहरण बताता हूँ जो विद्यार्थियों को बताता हूँ, यहाँ बिखरे हुए अक्षरों की थैली है, तो मैं विद्यार्थियों से कहता हूँ कि हायपोथेसेस के अवसर के बारे में सोचे, कि नई जानकारी बनाए

या नई जानकारी उत्पन्न करे, मैं यही करता हूँ, कि वोवहां से चलकर दूर जाए, और ऐसे ही अक्षर निकालते जाए, और वो अक्षर निकालकर उस अक्षर को ब्लैक बोर्ड पर लिखे जो उन्होंने चुने हैं, वो इसे ऐसे क्रम में करें जो उन्होंने ...

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** बैग में से निकालने हैं/

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** जो अक्षर उन्होंने चुने थे, और आगे जाकर ब्लैक बोर्ड पर जो लिखते थे, ये जिब्रिश होता था, जैसे Z S U A E T और चाहे जो कुछ भी हो, कैरेक्टर सही क्रम में नहीं होते हैं, लेकिन किसी काम को नहीं कर सकते हैं, अर्थपूर्ण नहीं है, ये अकस्मात की समस्या है, सटीक अरेन्जमेन्ट नहीं हैं, और सटीक अरेन्जमेन्ट नहीं हैं/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** जी, याने जिब्रिश है और time and tide wait for no man है

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** यहाँ अवसर है कि जिब्रिश ही आए, लेकिन ये जानकारी नहीं उत्पन्न करते हैं, कभी कभी ऐसी परिस्थिति आती है, जहाँ हमें मिलता है, याने शुरू के विद्यार्थी आकर कहते हैं, बिन या अ या ऐसे कुछ शब्द हो, और विद्यार्थी कहते हैं कि कैट कॉल्स, और हाँ, और इस तरह से बहुतसी जानकारी बना सकते हैं, अवसर से, लेकिन हमेशा मुद्दा यही होता है, ये बहस होती किये प्रयोग आगे बढ़ाते जाए, और आगे जिब्रिश पूरी तरह से इसे खत्म करता है, किसी भी तरह के अर्थ को/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** जी, यदि 150 अक्षर एक लाइन में लिखे, तो सच है कि जिब्रिश ही होगा/

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** बिलकुल और इसके लिए कारण है, और मेरे पास इस मुद्दे पर भी छोटा डेमो स्ट्रेशन है, इसे कॉम्बिनीटोरीयस की समस्या कहते हैं, लोग इसे नहीं समझते हैं, इसे बताने के पहले चलिए एक बात बताऊँ, ये छोटे डायनोसोर की पजल हैं, और इसके 4 डायल्स हैं, और हर डायल में 6 संभवनाएँ हैं, हर 6 डायनोसोर के लिए 6 संभवनाएँ हैं, सिरके लिए डायल है, और हर डायनोसोर के लिए लेबल है, और यहाँ विचार यही है, इस पजल में हम कोशिश कर रहे हैं, कि टायनोरोसोरस आएं, सिर, शरीर, पूंछ और लेबल सब उपर की लाइन से मिले/

अब इन डायल को ऐसे ही घुमाए तो क्या होगा, यही कॉम्बिनीटोरीयस की समस्या है, बहुत से अलग कॉम्बिनेशन हैं, याने संभावनाएँ बहुत कम होती हैं, 6 में से 1 सिर सही है, और 6 में से 1 अवसर है कि सही शरीर हो, पूंछ और लेबल हो, तो शायद आप कहे कि संभावना तो 6 और 6 और 6 और 6 की है, ये ऐसे हैं, क्योंकि हमें हर कॉम्बिनेशन को देखना होगा, जो बन सकते हैं, यहाँ 6 में से 1 संभावना में, और दूसरे डायल में, ये इसी तरह से हैं याने 6 में से 1, याने ये 6 गुना 6 की संभावना है, और फिर तीसरे डायल में जाए तो एक और गुना 6, और चौथे में, एक और बर 6 गुना, याने अंत में 1296 संभावनाएँ हैं, याने 1296 में केवल एक बार ही ये सही होता है, अब कहिए कि मैं आपको 10 सेकेण्ड दूँ, और आपको तीन बार ही डायल घुमाए, तो हो सकता है, , याने बहुत कम हो सकता है, कि आप सही कॉम्बिनेशन बनाएँ/ खैर, ये बहुत कम होगा, और ये असंभव नहीं है, लेकिन ये ऐसा ही कि आप समस्या ऐसे हल नहीं होती है, कि ऐसे ही आप अकस्मात इस सवाल का हल कर दे/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** जी, आपने अभी शुरू किया हमें ये कॉम्बिनेशन के बारे में बताइए/

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** अब जीवन की शुरुवात के बारे में भी यही समस्या है, यदि आप उदाहरण के लिए बाइक लॉक लीजिए, जिसमें 10 हैं, अब यहाँ 6 के बजाएँ 10 संभावनाएँ हैं, याने यहाँ 10 हजार कॉम्बिनेशन की

संभावनाएँ हैं/यदि बाइक लॉक में 10 डायल हो तो क्या, याने अब 10 से 10 गुना और फिर 10 गुना और फिर 10 गुना याने 10 को 10 से 10 बार गुना करना, 10 ट्रिलियन कॉम्बिनेशन हैं, यदि आप चोर हैं और बाइक चुराना चाहते हैं, और इस तरह का लॉक लगा है, आप कई दिनों तक डायल घुमाते रहेंगे और कभी सही कॉम्बिनेशन नहीं जोड़ पाएंगे, खोजने के लिए बहुत से कॉम्बिनेशन होंगे, जो हमेशा विरुद्ध में होंगे, और हो नहीं पाएंगे, और अकस्मात समस्या हल नहीं कर पाएंगे/

अब प्रोटीन की केस में, ये इससे भी बुरा है, क्योंकि हर तरफ से 20 संभावनाएँ हैं, और केवल 10 साइट्स नहीं हैं, और कहिए कि सबसे छोटे प्रोटीन के लिए जिसमें 150 अमीनो एसिड हैं तो अगणित कॉम्बिनेशनस होंगे, याने छोटे प्रोटीन के लिए 150 अमीनो एसिड हैं, याने 20 गुना 20 गुना 20 गुना 20 को 150 बार 20 से गुना करना, और इस में केवल एक मौका है, 10 के 95 पावर में, कि इसे सही क्रम में लाए, अब मेरी किताब में मैंने इसे विवरण से बताया है/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** ये नंबर कैसा होगा?

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** जी, पुरे संसार में केवल 10 का 80 पावर पार्टिकल्स हैं, याने संसार की शुरुवात से लेकर 10 का 17 पावर समय हुआ है, याने 13 बिलियन साल पुरानी दुनिया है, ये तो जगह तो कल्पना से भी बड़ी है, इसे समझने के लिए सबसे अच्छा तरीका है कि मानो भूसे के ढेर में हम सुई ढूँढ रहे हैं, और ये भूसे का ढेर ब्रम्हाण्ड जैसे है, या संसार कहिए, और सुई वहाँ कहीं पर है, और ढूँढने के लिए 10 सेकण्ड हैं, और सच में बहुत कम समय है कि इन सारी संभावनाओं को देखे, याने अभी भी ये इस तरह हैं जैसे चोर बाइक लॉक और मैं डायनोसोर पजल को हल करना चाहते हैं, ये तो बहुत बहुत कम संभावना है, कि अकस्मात समस्या हल कर दे/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** ठीक है स्टीव आप क्या चाहते हैं कि इस प्रोग्राम से दर्शक क्या सीखे, मुख्य बात क्या है?

**डॉक्टर स्टीफन मायरः:** जी बुनियाद ये नहीं कि ये अकस्मात हो, याने डी एन ए इनिग्मा ऐसे हो, या डी एन ए में पहले जीवन की जरूरी जानकारी ऐसे आई, किताब में मैंने बहुत विवरण के साथ बताया, ये तो ऐसी गिनती है जिस पर हमने यहाँ चर्चा नहीं की है, लेकिन मैं इस संख्या के साथ आया, ये दीखता है कि ये अकसर ऐसा है इ जीवन अकस्मात नहीं आया, और अच्छे से कहे तो बताने का अच्छा विवरण है, अवसर के विवरण से बढ़कर, तो अलगी बार हम बताए गए विवरण में से कुछ देखेंगे, लेकिन पुरे संसार में जीवन की शुरुवात के अध्ययन में, वैज्ञानिकों ने इस विचार का इनकार किया है कि जीवन ऐसे ही अकस्मात आया है/

**डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** ठीक है दोस्तों, हमने इसे शुरू किया है अगले हफ्ते, हम ये सवाल देखेंगे कि जब ये जानकारी खोजी गई, और हमने जो यहाँ दिखाया ये उससे भी बहुत उलझा हुआ है, जो लोग बुद्धिमत्ता की डिजाइन की साइड लेना नहीं चाहते हैं, नैचरलिस्टिक थेयरी के साथ आना होगा, कि ये जानकारी शुरू में वहाँ कैसे पहुंची, और हमने अवसर के बारे में आज देखा है, और आप कह रहे हैं, कि अबसारे वैज्ञानिकों ने अवसर का इनकार किया, तो वो क्या मानते हैं, और अगली थेयरी क्या है, अगले हफ्ते इस पर चर्चा करेंगे आप चूकना नहीं चाहेंगे/

\*\*\*\*

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाउनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"खुद को देखें और दूसरों को दिखाएं" के लिए खोजें

@JAShow.org

कदम रखें 2015 के लिए